A–659

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

A5 (I)

PEDAGOGY OF TEACHING HINDI LANGUAGE

B.Ed. Special Education

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गद्य साहित्य का अर्थ बताईये। गद्य साहित्य की परम्परागत एवं आधुनिक विधाओं में तुलना कीजिए।

2. पाठयोजना की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए। गद्य शिक्षण हेतु कक्षा आठ के स्तर की कोई एक पाठ योजना बताइये।

3. हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रयुक्त आगमन एवं निगमन विधियों को आप अपने शिक्षण में किस प्रकार प्रयोग करेंगे ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

4. भाषा शिक्षण में शुद्ध उच्चारण का क्या महत्व है ? एक शिक्षक के रूप में आप अपने विद्यार्थियों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले अशुद्ध उच्चारण को किन-किन विधियों द्वारा दूर करेंगे ?

5. बी. एस. ब्लूम द्वारा प्रतिपादित शैक्षिक उद्देश्यों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भाषा शिक्षण में मातृभाषा की आवश्यकता एवं महत्व को समझाइए।

2. माध्यमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्यों की चर्चा कीजिए।

3. बोली एवं भाषा में अंतर स्पष्ट कीजिए। बोलियों के भविष्य पर अपने विचार लिखिए।

4. श्रव्य-शिक्षण सहायक सामग्री को उदाहरण सहित समझाइए।

5. भाषा अधिगम के मूल्यांकन की संकल्पना को समझाइए।

6. भाषा पाठ्यपुस्तक का निर्माण आप किन-किन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर करेंगे ?

7. भाषा शिक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्यों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

8. हिन्दी साहित्य की परंपरागत विधाओं को संक्षेप में लिखिए।

****